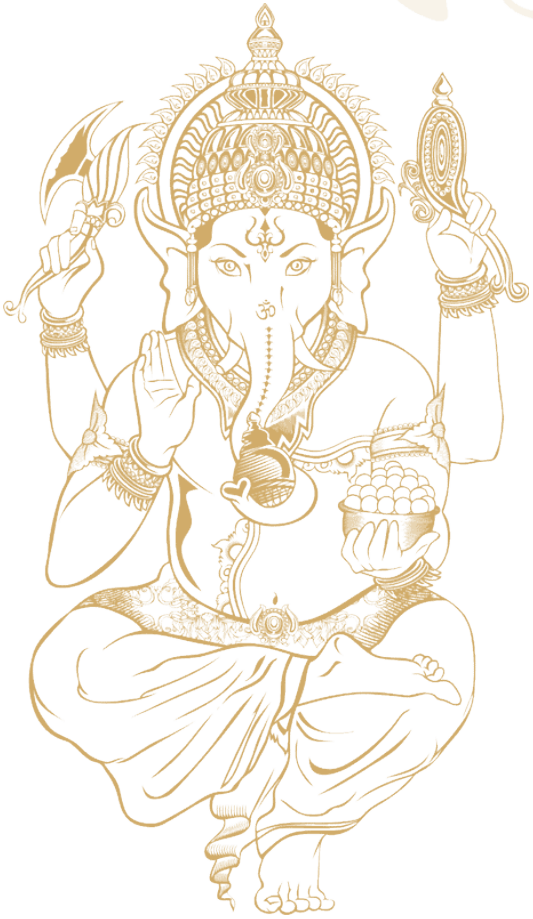

Santosh dhakad

16 Feb 1984

09:00 PM

Vidisha

Model: web-freekundliweb

Order No: 121076103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/02/1984**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:00:00 घंटे**
इष्ट	35:20:46 घटी
स्थान	**Vidisha**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:30:00 उत्तर
रेखांश	77:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:41:20 घंटे
वेलान्तर	-00:14:12 घंटे
साम्पातिक काल	06:24:37 घंटे
सूर्योदय	06:51:41 घंटे
सूर्यास्त	18:14:11 घंटे
दिनमान	11:22:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:31:13 कुम्भ
लग्न के अंश	12:00:27 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शोभन
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डो-डोभाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:00:27	330:43:43	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			कुंभ	03:31:13	01:00:34	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	28:02:19	15:18:40	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	स्वराशि
मंगल			तुला	23:21:25	00:23:58	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			मक	17:53:28	01:34:40	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
गुरु			धनु	11:56:25	00:10:51	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र			मक	03:13:09	01:13:53	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			तुला	22:41:54	00:00:49	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		वृष	19:12:31	00:10:37	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	19:12:31	00:10:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	19:31:03	00:01:36	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	07:13:00	00:01:27	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	08:27:32	00:00:26	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			मिथु	12:00:54	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:52

लग्न-चलित

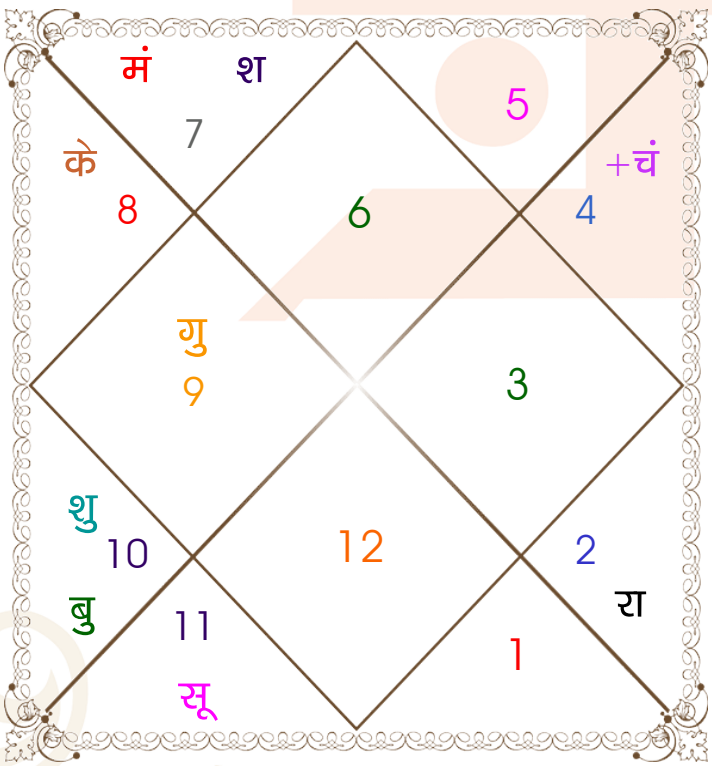

चन्द्र कुंडली

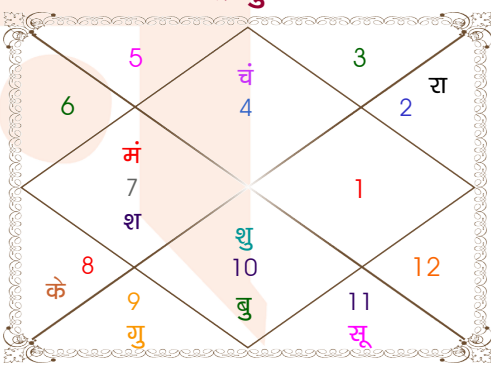

नवमांश कुंडली

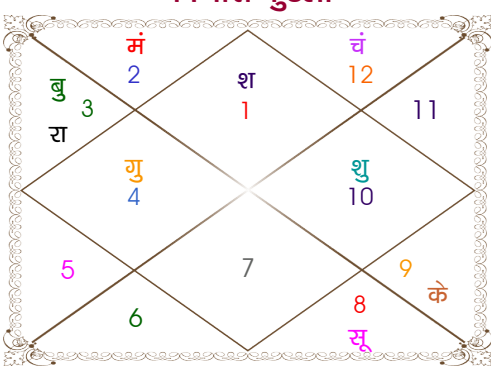

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 6 मास 0 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/02/1984		18/08/1986		18/08/1993		18/08/2013		18/08/2019	
18/08/1986		18/08/1993		18/08/2013		18/08/2019		18/08/2029	
	00/00/0000	केतु	14/01/1987	शुक्र	17/12/1996	सूर्य	05/12/2013	चंद्र	17/06/2020
	00/00/0000	शुक्र	15/03/1988	सूर्य	17/12/1997	चंद्र	06/06/2014	मंगल	16/01/2021
	00/00/0000	सूर्य	21/07/1988	चंद्र	18/08/1999	मंगल	12/10/2014	राहु	18/07/2022
	00/00/0000	चंद्र	19/02/1989	मंगल	17/10/2000	राहु	05/09/2015	गुरु	17/11/2023
	00/00/0000	मंगल	18/07/1989	राहु	18/10/2003	गुरु	23/06/2016	शनि	18/06/2025
	00/00/0000	राहु	06/08/1990	गुरु	18/06/2006	शनि	05/06/2017	बुध	17/11/2026
	00/00/0000	गुरु	12/07/1991	शनि	18/08/2009	बुध	12/04/2018	केतु	18/06/2027
	16/02/1984	शनि	20/08/1992	बुध	17/06/2012	केतु	18/08/2018	शुक्र	16/02/2029
शनि	18/08/1986	बुध	18/08/1993	केतु	18/08/2013	शुक्र	18/08/2019	सूर्य	18/08/2029

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
18/08/2029		17/08/2036		18/08/2054		18/08/2070		18/08/2089	
17/08/2036		18/08/2054		18/08/2070		18/08/2089		17/02/2104	
मंगल	14/01/2030	राहु	30/04/2039	गुरु	05/10/2056	शनि	21/08/2073	बुध	14/01/2092
राहु	01/02/2031	गुरु	23/09/2041	शनि	18/04/2059	बुध	30/04/2076	केतु	10/01/2093
गुरु	08/01/2032	शनि	30/07/2044	बुध	24/07/2061	केतु	09/06/2077	शुक्र	11/11/2095
शनि	16/02/2033	बुध	16/02/2047	केतु	30/06/2062	शुक्र	08/08/2080	सूर्य	17/09/2096
बुध	13/02/2034	केतु	06/03/2048	शुक्र	28/02/2065	सूर्य	21/07/2081	चंद्र	16/02/2098
केतु	12/07/2034	शुक्र	07/03/2051	सूर्य	17/12/2065	चंद्र	19/02/2083	मंगल	13/02/2099
शुक्र	11/09/2035	सूर्य	29/01/2052	चंद्र	18/04/2067	मंगल	30/03/2084	राहु	03/09/2101
सूर्य	17/01/2036	चंद्र	30/07/2053	मंगल	24/03/2068	राहु	04/02/2087	गुरु	10/12/2103
चंद्र	17/08/2036	मंगल	18/08/2054	राहु	18/08/2070	गुरु	18/08/2089	शनि	17/02/2104

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 5 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।